GLOBAL EDITION
दोपहर का सामना
सभी के लिए सब कुछ
मुंबई का नं.1
सांध्य दैनिक

'शंघाई नहीं बना पाया तो मुंबई को मुंबई बनाऊंगा'

▶ सामना संवाददाता / मुंबई

उद्योग-धंधा बढ़ाने के लिए नियम व कानून में बदलाव कर अनुमति प्रक्रिया को सुलभ कर राज्य को सर्वोत्तम स्थान दिलाने का सरकार का प्रयत्न है। मुंबई को शंघाई नहीं बना पाया, तो मुंबई को मुंबई अवश्य बनाऊंगा। यह बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कही। तीसरे महाराष्ट्र इकोनॉमिक समिट के उद्घाटन के अवसर पर उक्त बातें मुख्यमंत्री ने कही। फडणवीस ने कहा कि उद्योग-धंधा शुरू करने के लिए कई अनुमति लेनी पड़ती है। इस बात को ध्यान में रखकर सरकार ने 'एक खिड़की' योजना शुरू की है, ताकि औद्योगिक विकास को गति मिल सके। इतना ही नहीं नियम-कानून को शिथिल करके विभिन्न विभागों से ली जानेवाली अनुमति को भी कम कर दिया गया है और एमआईडीसी को विशेष अधिकार दिया गया है। मुंबई वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर बढ़ते भार को कम करने के लिए जल्द से जल्द कोस्टल रोड का निर्माण शुरू किया जाएगा। नई मुंबई का विमानतल केंद्र सरकार के सहयोग से २०१९ तक शुरू हो जाएगा, ऐसा फडणवीस ने कहा। उक्त कार्यक्रम में सोलर एनर्जी रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. अनिल काकोडकर, एमआईईडी ए.के. चंद्रकांत सालुंखे, लार्सन टुब्रो के संचालक के. वेंकटरमन, बिर्ला फाइनेंस के राकेश सिंह सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ज्योतिष/वास्तु समस्या समाधान